हक त्याग–पत्र

(पैत्क सम्पत्ति में रक्त संबंधियों के अलावा)

यह हक त्याग–पत्र श्री .....पुत्र श्री ....आयु ..... निवासी .....जो इस दस्तावेज का प्रथम पक्षकार
एवं

श्री ..... पुत्र श्री ..... आयु ..... निवासी..... जो इस दस्तावेज का द्वितीय पक्षकार है के मध्य निष्पादित किया गया है।

उपरोक्त दोनों पक्षकारों द्वारा एक व्यावसायिक भूखण्ड जिसका क्षेत्रफल ..... है एवं जो ..... बाजार .... में स्थित है (जिसका आस–पड़ौस एवं विवरण अनुसूचित में अंकित है) उसे इस दस्तावेज के पक्षकारों द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक ..... को क्रय किया था एवं हमारा इसमें बराबर का हिस्सा होने से दोनों पक्षकार सहस्वामी एवं सह हिस्सेदार हैं।

चूँकि द्वितीय पक्षकार श्री ..... पुत्र श्री ..... को अब रूपयों की आवश्यकता है एवं वह उक्त सम्पत्ति में अपने व्यय किये गये रूपयों को अन्यत्र व्यय करना चाहता है। अतः द्वितीय पक्षकार अपने आधे हिस्से का प्रथम पक्षकार श्री ..... पुत्र श्री .... के पक्ष में हक त्याग करता है।

अतएव यह लेख्य–पत्र साक्ष्यांकित करता हैः–

1. यह कि द्वितीय पक्षकार ने संयुक्त स्वामित्व की अनुसूचि में वर्णित सम्पत्ति में से अपने सम्पूर्ण हित का प्रतिफल रूपये .... प्राप्त कर प्रथम पक्षकार श्री ..... पुत्र श्री .... के पक्ष में हक त्याग कर दिया है।
2. यह कि प्रथम पक्षकार अब अनुसूची में दर्शित सम्पत्ति का तनहा मालिक एवं काबिज हो गया है।
3. यह कि मेरा इस सम्पत्ति में अब कोई लेना–देना शेष नहीं है एवं इससे मेरे उत्तराधिकारी भी बाध्य होंगे।

साक्ष्य स्वरूप यह हक त्याग पत्र निम्नलिखित साक्षीगणों की उपस्थिति में दोनों पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

साक्षीगण हस्ताक्षर

(1) ..... प्रथम पक्ष

(2) ..... द्वितीय पक्ष